राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, म.प्र.

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन
पर्यावरण परिसर, ई–5, अरेरा कॉलोनी
भोपाल–462016 (म.प्र.)
बेवसाईट–http://www.mpseiaa.nic.in
दूरभाषनं. – 0755–2466970, 2466859
फैक्सनं. – 0755–2462136

No: 440 / SEIAA/2025
Date: 24/05/2025

प्रति,

Shri Vishakha Mandloi
R/o-Gumanpura, Bagdi,
District-Dhar (MP)-454116
E-mail - vishakhamandloi.ec@gmail.com

विषय :- **Proposal No. SIA/MP/MIN/467476/2024- Case No. P2/783/24 Prior Environment Clearance for Stone. M-Sand and Murrum Quarry (Opencast semi mechanized method), for production capacity of Stone (Gitti) – 90,000 m3/Year, M-Sand – 30,000 m3/Year and Murrum – 55,000 m3/Year, in an area of 4.00 ha., Khasra No. 98, Village-Bamoura, Tehsil-Ujjain, District- Ujjain (MP) by Shri Vishakha Mandloi R/o-Gumanpura, Bagdi, District-Dhar (MP)-454116**

विषयान्तर्गत प्रकरण में राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) द्वारा 762वीं बैठक दिनांक 03.06.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण अनुमति प्रदान किये जाने की अनुशंसा कर प्रकरण दिनांक 06.06.2024 को राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) को अग्रेषित किया गया। प्रश्नाधीन प्रकरण SEIAA की बैठक में विचारण नहीं होने के कारण 45 दिवस से अधिक की अवधि समाप्त हो गई है।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ईआईए अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के पैरा 8 की कंडिका (iii) इस प्रकार है - **"In the event that the decision of the regulatory authority is not communicated to the applicant within the period specified in sub-paragraphs (i) or (ii) above, as applicable, the applicant may proceed as if the environment clearance sought for has been granted or denied by the regulatory authority in terms of the final recommendations of the Expert Appraisal Committee or State Level Expert Appraisal Committee concerned."**

अतः ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार उक्त प्रकरण में SEAC की 762वीं बैठक दिनांक 03.06.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण स्वीकृति हेतु की गई अनुशंसा को अंतिम निर्णय मानते हुए राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा "Deemed Approval" माना जाकर पर्यावरण अनुमति दी जाती है। तद्नुसार प्रकरण में ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार आगामी आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने हेतु आप स्वतंत्र हैं।

(प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग द्वारा अनुमोदित)

24/05/25
(श्रीमन् शुक्ला)
कार्यपालन संचालक, एप्को
एवं सदस्य सचिव, SEIAA

पृ. क्र. 441 /SEIAA/2025 भोपाल दिनांक - 24/05/2025

प्रतिलिपिः-

1. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
2. संयुक्त सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली - 110003।
3. उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय म.प्र. शासन, मंत्रालय भोपाल (म.प्र.)।
4. अध्यक्ष, SEIAA, एप्को पर्यावरण परिसर भोपाल (म.प्र.)।
5. अध्यक्ष SEAC, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.)।
6. सदस्य सचिव, SEAC एवं सदस्य सचिव, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल।
7. कलेक्टर, जिला उज्जैन (म.प्र.)।
8. वन मंडलाधिकारी, जिला उज्जैन (म.प्र.)।
9. निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन, लिंक रोड़ नं. 03, रवि शंकर नगर, भोपाल।
10. संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश, 29-ए, खनिज भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462002।
11. खनिज अधिकारी, जिला उज्जैन (म.प्र.)।
12. संबंधित फाईल।

की ओर सूचनार्थ।

कार्यपालन संचालक, एप्को
एवं सदस्य सचिव, SEIAA

		प्रजातिया।	
3	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 1.5 मीटर ट्री–गार्ड के साथ)	नीम, पीपल, सेमल, चिरौल, करंज, एवं कुसुम अन्य स्थानीय प्रजातियॉ,	50
4	शास. अंकुर योजना के तहत खम्हा रियाखुर्द ग्रामवासियों मे वितरण हेतु	इमली, आवंला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियॉ।	1120
5	खम्हारिया खुर्द ग्रामवासियों में वितरण हेतु	कचनार, पुत्ररंजीवा, मौलश्री और कुसुम अन्य सजावटी पेड़ इत्यादि।	20
उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जायें एवं 03 वर्ष तक उन पौधों का रख–रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन् अवधि तक किया जाये । गारलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोबाई कर उनका सरंक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गॉव का नाम, लाभांवित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।			

अनुशंसा– प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तो के साथ परियोजना को पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

31. <u>Case No. P2/783/24 Shri Vishakha Mandloi R/o-Gumanpura, Bagdi, District-Dhar (MP)-454116, Prior Environment Clearance for Stone. M-Sand and Murrum in an area of 4.00 ha. (Stone (Gitti) – 90,000 m3/Year, M-Sand – 30,000 m3/Year and Murrum – 55,000 m3/Year ar) (Khasra No. 98), Village-Bamoura, Tehsil-Ujjain, District- Ujjain (MP) [MIN/467476/2024] (B2).</u>

पूर्व में **SEAC की 757 वीं बैठक दिनांक 24/05/2024** को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था जिसमें परियोजना प्रस्तावकउनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए समिति ने चर्चा के उपरांतनिर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने केपश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा

प्रस्तावित खदान B2 श्रेणी के अंतर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 3.06.2024 को परियोजना प्रस्तावक विशाखा मण्डलोई एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार **अमित सक्सेना ,मेसर्स**, एपेक्स मिनटेक कन्सलटेंट उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	श्रीमति विशाखा मण्डलोई पिता श्री सुखदेव मण्डलोई, निवासी –गुमानपुरा, बागड़ी, धार, जिला धार म.प्र.

खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	98 (नॉन फॉरेस्ट लेंड) 4.00 हेक्टयेर भाासकीय भूमि
स्थल	ग्राम बमोरा, तहसील एवं जिला उज्जैन
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन के पत्र क्रमांक - 254/खनिज/उ.प./न.क्र./2022–23,दिनांक 31.01.2023के द्वारा स्वीकृत ।
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग है।
प्रकरण की स्थिति	नया प्रोजेक्ट ।
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	लागू नहीं है।
टॉर	लागू नहीं है।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर– 90,000, मुररम–55,000 एवं एम.सैण्ड 30,000घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार पत्थर– 90,000, मुररम–55,000 एवं एम.सैण्ड 30,000घनमीटर/वर्षहै।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 956/खनिज/2022–23, दिनांक 12.04.2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, इस प्रकार कुल रकबा 4.00हे. होता है, अतः प्रकरण B2श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 956/खनिज/2022–23, दिनांक 12.04.2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में ने ानल पार्क/अभ्यारण्य/ईको संसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 956/खनिज/2022–23, दिनांक 12.04.2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, भौक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/ ाम ाान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदन ाील क्षेत्रों जैसेः रेडियो स्टे ान, दूरद ानि, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पचांयत बमोरा, जिला उज्जैन के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक क्यु. /पंचा/2022, दिनांक 02.10.2022अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
क्रेशर की स्थिति	क्रेशर लीज क्षेत्र में प्रस्तावित है।

प्रस्तावि स्थत पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	• **लीज क्षेत्र में वृक्ष नहीं है**
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	• **खदान के चारों तरफ कृषि क्षेत्र होने के कारण 25 मी का सेटबैक दिया गया है** • **खदान कीदक्षिण दिशा में100 मीटर पर पूर्व में स्वीकृतTemprary Permit खदानों का रेस्ट शेल्टर हैं जिसमें वर्तमान में कोई आवास एवं उपयोग नहीं है**
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट **में सम्मिलित कर लिया जायेगा ।**
जन सुनवाई	लागू नही है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह क्षमता विस्तार का प्रकरण है पूर्व में प्रकरण को दिनांक 01/09/2023 के द्वारा प्रकरण क्रमांक 9966 के अन्तर्गत उत्पादन क्षमता मुरूम–40,000 मी^{3} प्रति वर्ष हेतु पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई थीं ।

प्रकरण को आज दिनांक 3/**06/24** को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक वि ााखा मण्डलोई ऑनलाईन एवं उनके **पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना ,** एपेक्स मिनटेक कन्सलटेंट उपस्थित हुएपरियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, **बताया कि** पूर्व में जारी पर्यावरण स्वीकृति की शर्तो का अनुपालन प्रतिवेदन क्षैत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मत्रांलय भारत सरकार से सत्यापित**करवालीगईहैजिसकापत्रक्रमांक** 18-B-227/2024(SEAC) **दिनांक**.27/05/2024 **हैं**I समिति ने प्रस्तुतीकरण के दौरान पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों का पालन के संबंध में पाया की फेंसिंग कार्य अपूर्ण है एवं स्पष्ट नहीं है कि कितनी फेंसिंग की गई है। अतः बची हुई फेंसिंग 03 माह में पूर्ण करें एवं अपूर्ण वृक्षारोपण कार्य जुलाई–अगस्त माह वर्ष 2024 में पूर्ण करें । सामाजिक आर्थिक कार्य 06 माह में पूर्ण करें।

पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तो एवं स्टेण्डर्ड शर्तो संलग्नक–ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती हैः–

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता पत्थर– 90,000, मुररम–55,000 एवं एम.सैण्ड 30,000घनमीटर / वर्ष हेतु आवेदन किया गया ।
2- पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों का पालन के संबंध में पाया की फेंसिंग कार्य अपूर्ण है शेष बची हुई फेंसिंग 03 माह में पूर्ण करें, एवं अपूर्ण वृक्षारोपण कार्य जुलाई–अगस्त माह वर्ष 2024 में पूर्ण करें । सामाजिक आर्थिक कार्य 06 माह में पूर्ण करें।
3. खनन क्षेत्र में प्रस्तावित माईन आधारित क्रेशर प्लान्ट हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमानुसार स्थापना एवं संचालन सम्मति प्राप्त करना होगी।
4. म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दिशा निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित क्रेशर प्लान्ट में वायु प्रदूषणरोधी उपकरणों की स्थापना सुनिश्चित की जावेगी।
5- In case of change in ultimate pit block (Surface plan) due to setback imposed in accordance with order of NGT/CPC/M.P. MMR 1996 or ay environmental sensitivity. "The PP should obtain Modified Mining Plan / Scheme of mining before opening of the mine of capacity approved in EC. The Environment Management Plan Geological Plan & Section, Development plan, Conceptual Plan should be accordingly revised in the approved Mining Plan /SOM by the competent authority with respect to year-wise production."

6. पर्यावरण प्रबंधन योजना

क्रमांक	विवरण	पूंजी लागत (रुपये में)	आवर्ती लागत (रुपये में)
1.अ	हॉल रोड और ट्रांसपोर्ट रोड दोनों पर टैंकर स्प्रिंकलिंग सिस्टम से पानी का छिड़काव।	1,00,000	30,000
1.ब	पानी की कीमत 5.0 KLD	1,25,000	50,000
2.	स्पीड ब्रेकर, साइन बोर्ड, रिफ्लेक्टर, टी प्वाइंट आदि का- लंबाई) विकासx चौड़ाई (Rs. 900/ मी के साथ 700 मी. की WBM एप्रोच रोड निर्माण	6,30,000	30,000
3.	वृक्षारोपण	5,25,000	50,000
4.	निगरानी एएक्यूएम), शोर और पानी साल में दो बार (@ रु। दो स्थानों वर्ष के लिए/20,000	-	40,000
5.	श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए पेयजल सुविधा एक) 50-30/वाटर कूलरश्रमिक @ रु10 .,/000कूलर .और रु (वर्ष रखरखाव के लिए।/2000	10,000	2,000
6.	पुरुष और महिला के लिए अलग शौचालय @20000X2	40,000	3,000

	और रु। रखरखाव के लिए / 3000वर्ष।		
7.	श्रमिकों और कर्मचारी की नियमित चिकित्सा जांच वर्ष) में दो बार प्रति श्रमिक500 रु(	-	27,000
8.	प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स और अग्निशमन उपकरण @10000X2 और रु। 10/000वर्ष रखरखाव के लिए।	20,000	10,000
9.	खनन कार्यों के लिए पीपीई @ रु / 1500कार्यकर्ता	-	40,500
10.	मजदूरों के लिए आश्रय कक्ष 400=(20*20)वर्ग फुट	40,000	4,000
11.	दो कूड़ेदान और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का विकास @ रु/2000 प्रणाली और रु / 5000 .वर्ष रखरखाव।	10,000	4000
12.	ट्रकों के लिए अर्धवार्षिक पीयूसी प्रमाणीकरण @/1000ट्रक	-	8,000
13.	विविध व्यय जैसे सोलर लाइट , (@ 8000 X 4 सोलर लाइट) वेब साइट विकास एवं रखरखाव (@ रु . 5,/000खनन वेब कैमरा (, (प्रति कैमरा @ 3500 X 4 ( ) खदान के प्रवेश द्वार पर डिस्प्ले बोर्ड@ (/2000आदि	65,000	4,000
14.	मजदूरों के लिए वीटी प्रशिक्षण न्यूनतम)@500 रुपये (श्रम/	-	11,000
15.	खदान के भीतर Catch drain and garland drains (dimensions 1.5 m X 1m) (लगभग 880 मीटर X Rs. 50/-) एवं siltation ponds (Nos. 4) (3.0 m X 1.5 m X 1.5 m) (Rs. 5,000 X Nos. 4) एवं मजदूरी	64,000	20,000
16.	खदान के परिधि में 400 की लम्बाई में फेन्सिंग की जाएगी)@ रु.5/00मीटर की जाएगी(	2,00,000	30,000
17.	कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए वृक्षों को एडोप्ट 1000 किया जायेगा	1,00,000	30,000
18	खदान क्षेत्रमें क्रशर यूनिट के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना की लागत	2,50,000	1,00,000
	कुल योग	**21,79,000**	**4,93,500**

7. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रू. 3.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :–

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियॉ	राशि (रू. में)
ग्रामबामोराके शासकीय**प्राथमिक**विघालय में अधोसंरचना विकास हेतु वितिय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।	1,50,000
ग्राम बामोरा शासकीय प्राथमिक चिकित्सालय केअधोसंरचना विकास हेतु वितिय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।	1,50,000

8. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 10 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख–रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :–

क्रमांक	पौधों का प्रस्तावित स्थान	पौधों के नाम	मात्रा
1	**हरित पट्टी (7.50 मीटर बेरियर ज़ोनएवंकृषि क्षेत्र के कारणमी 25के सेड बैककेसाथ** तीन लाइनो में वृक्षारोपण किया जायेगा) **में 820 मीटरकी लम्बाई पर तीन लाइनो मेंवृक्षारोपण किया जायेगा)**	**नीम, पीपल , करंज, चिरोल, जंगल जलेबी , खमेर, सिस्सू आदि।**	1200
2	**पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड(700मीटर) के दोनों ओर 4 फ़ीट की उचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में**	**नीम, पीपल , कचनार, करंज, चिरोल, आदि**	700
3	**आस पास के पांच गाव चांदूखेड़ी , रतनाखेड़ी, बमोरा, देवराखेड़ी, मंगरोला के किसानो को पौधे वितरण किये जायेंगे**	**आम, जामुन, अमरूद, आंवला, अनार, निम्बू, कटहल, आदि**	2900
उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जायें एवं लीज अवधि तक उन पौधों का रख–रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन् अवधि तक किया जाये । गारलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड			

एवं अन्य उपलब्ध बीज रोपण हेतु उपर्युक्त स्थल जैसे झाड़ियों के बीच–बीच में आदि पर स्थानीय बीज बोबाई सीधे या सीडबाल बनाकर किया जावे तथा उनका सरंक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गॉव का नाम, लाभांवित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।

अनुशंसा– प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तो के साथ परियोजना को पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

32.<u>Case No. 10719/23 Shri Manjeet Petwar, Project Manager, M/s KALUWALA CONSTRUCTION PRIVATE LIMITED, 201 - 2nd Floor, Iris Tech Park, Sohna Road, Sector 48,Gurugram (Haryana) 122018 Prior Environment Clearance for Stone Mine in an area of 3.00 ha. (1]97]806 cum per annum) (Khasra No. 01) Village- Benegaon, Tehsil- Kirnapur, District-Balaghat (M.P.) [MIN/470444/2024] EIA</u>

प्रस्तावित खदान बी–1 श्रेणी के अंतर्गत डिया द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 18.05.2024 को परियोजना प्रस्तावक **मेसर्स, कालूवाला कन्स्ट्रक्सन प्रा.लि. श्री मंजीत सिंह (प्रोजेक्ट मैनेजर) आनलाइन** एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार अजय मोहनउपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया था, | पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा अवगत कराया कि पूर्व मे इस में सेक की 753–B बैठक दिनांक 18.05.2024 में निम्न जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये थे।

- लीज क्षेत्र वृक्षो से अच्छादित है अतः लीज में लगे हुये पेड़ों की इन्वेन्ट्री (प्रजाति,ऊॅचाई, गर्थ एवं गोलाई) जियोटेग फोटोग्राफ सहित प्रस्तुत करें।

- लीज क्षेत्र वृक्षो से अच्छादित है इस संबंध में जिलाध्यक्ष से प्रतिवेदन प्राप्त की जावेगी किया जावे कि प्रश्नाधीन खदान से लगी अन्य स्वीकृत खदानों से निकलने वाले पत्थर की पूर्ति अन्य खदानों से संभव हो सकता है क्या? इस संबंध में सेक से पत्र जारी किया जावे।

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murrum and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.

19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    a. Lease owner's Name, Contact details etc.
    b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
    d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
    f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland

and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- ‘B’

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be $1/4^{th}$ or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.